परास्नातक कार्यक्रम

सत्रीय कार्य

(जुलाई, 2022 तथा जनवरी, 2023 सत्रों के लिए)

MSK-005 : वैदिक वाङमय एवं भारतीय संस्कृति और सभ्यता

मानविकी विद्यापीठ

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

परास्नातक कार्यक्रम

सत्रीय कार्य (2022–23)

पाठ्यक्रम कोड : MSK–005/2022–23

प्रिय छात्र/छात्राओं

यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (TMA) है। सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किए हैं। सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जाएँगे।

उद्देश्य : शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। यहाँ पाठ्य सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से तात्पर्य नहीं है वरन् अध्ययन के दौरान जो कुछ सीखा और समझा है उसे आप आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें।

निर्देश :– सत्रीय कार्य आरम्भ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए :

1) अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दायें सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए।

2) बाईं ओर पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केन्द्र का उल्लेख करें जैसा आगे दिखाया गया है :

अनुक्रमांक : ————————————

नाम : ————————————

पता : ————————————

पाठ्यक्रम का नाम/कोड : ————————————

सत्रीय कार्य कोड : ————————————

अध्ययन केन्द्र का नाम/कोड : ————————————

दिनांक : ————————————

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

1. अध्ययन : सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। फिर इससे संबंधित इकाइयों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए। अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ खास बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढ़ग से व्यवस्थित कीजिए।
2. अभ्यास : उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। अनावश्यक बातों को हटा दीजिए, और प्रत्येक बिंदु पर विस्तार से विचार कीजिए। निबंधात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरंभ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरंभिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्धता और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करें। उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,

ख) उत्तर सही ढंग से लिखा गया हो तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,

ग) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।

3. **प्रस्तुति** : जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ, तो उसे साफ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजि,।

शुभकामनाओं के साथ।

नोट : याद रखें कि परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है, अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

सत्रीय कार्य जमा कराने की तिथियाँ :

जुलाई 2022 सत्र के लिए : 31 मार्च, 2023

जनवरी 2023 सत्र के लिए : 30 सितंबर, 2023

सत्रीय कार्य

MSK–005 : वैदिक वाङमय एवं भारतीय सस्कृति और सभ्यता

पाठ्यक्रम कोड –MSK: 005
पाठयक्रम शीर्षक : **वैदिक वाङमय एवं भारतीय सस्कृति और सभ्यता**
सत्रीय कार्य : **MSK – 005/2022–2023**
कुल अंक – 100

खण्ड-क

1. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **5X10= 50**

(क) वेदकालीन संस्कृति को अपने शब्दों में लिखिए।

(ख) रामायणकालीन समाज में नारी के महत्व का विवेचन कीजिए।

(ग) 'नासदीयसक्त' के आधार पर 'सृष्टि उत्पत्ति प्रक्रिया' पर लेख लिखिए।

(घ) वैदिक देवता 'विष्णु' के स्वरूप का विवेचन कीजिए ।

(ङ) क्रिया के 'षडभावविकारों' को स्पष्ट कीजिए।

(च) विभिन्न भारतीय दर्शनों में मोक्ष की अवधारणा को लिखिए।

(छ) आश्रम व्यवस्था पर निबन्ध लिखिए।

खण्ड-ख

2. निम्नलिखित मन्त्रों में से किन्हीं दो की व्याख्या कीजिए : **2X5= 10**

(क) अहं रुद्राय धनरा तनोमि
ब्रह्मद्विषे शखे हन्तवा उ ।
अहं जनाय समंद कणोभ्यह
द्यावापृथिवी आ विवेश ॥

(ख) न मन्यरासीदमतं न तर्हि

न रात्र्या अहं आसीन्प्रकेतः ।
आनीदवातं स्वधया तदेक
तस्माद्धान्यन्न परः किं चनास ॥

(ग) राजन्तमध्वराणां गोपामतस्य दीदिविम वर्धमानं स्वे दमे।

(घ) अग्निहोता कविक्रतः सन्यश्चित्रश्रवस्तमः देवो देवेभिरा गमत ।

खण्ड-ग

3. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पर टिप्पणियाँ लिखिए : **5X6=30**

(क) श्रौतयागों का स्वरूप
(ख) वेदाङ्गों का महत्व
(ग) गह्यसत्रों का स्वरूप
(घ) 'वाक' देवता वर्णन
(ङ) वानप्रस्थ आश्रम के मुख्य उद्देश्य
(च) पराणों में धर्म की अवधारणा
(छ) 'पादपरण निपात' स्वरूप

4. निम्नलिखित सत्रों में से किन्हीं दो की व्याख्या कीजिए : **2X5= 10**

(क) दाश्वानसाहवान्मीढवांश्च
(ख) सपितर्दोः कसन
(ग) स्तेनाद्यन्नलोपश्च
(घ) द्वन्दमनोज्ञादिभ्यश्च
(ङ) भय्यप्रवय्ये चच्छन्दसि